Birmanisch

.....

हाइन्त्स पिऑन्टेक

मधुमक्खियां

जन्तु, जो हमारे मुहावरों में मिलते हैं
श्रम विभाजन के आदर्श

सिर से पैर-तक 'मौसमप्रूफ़' फ़र,
अंदर हथियार

हथियार काम पक्का करते हैं
बडे कार्य-सक्षम

हर सेकेंड
दो सौ बार फड़फड़ाती हैं पंख

पहले जंगल में थीं
अब जंगली ही बन कर रहती हैं हमारे साथ

नर-मधुमक्खियों-डाकुओं-छैलों के लिए
नहीं कोई दया उनके पास

" हर देश के पास मधुमक्खियों
की एक सेना हमेशा तैनात होनी चाहिए " (श्प्रेंगेल)

मनुष्य की प्रकृति के विपरीत
आने वाले कल की हर जरूरत के लिए तैयार

जो-जो काम मिला है उसमें मग्न हैं
भावुकता-विहीन

सर्वदा समाज के अनुकूल
यह जानते हुए कि आकाश में कुछ नहीं है

और स्वीकार करती हैं मौत
बिना कोई प्रश्न किए ।